

[श्री मूलचन्द डागा]

वाले हैं या आपका इरादा ऐसा ही है ? कदम बढ़ नहीं रहे हैं, कदम रूके क्यों हुए हैं ?

श्री मल्लिकार्जुन : अध्यक्ष महोदय, हम भी इसमें परिवर्तन करने की आवश्यकता समझते हैं और इस मामले में जो ड्राफ्ट है, वह ला-मिनिस्ट्री और कैबिनेट को समरी के साथ व होम मिनिस्ट्री को भी भेज दिया जाएगा और इसमें परिवर्तन अवश्य होकर रहेगा ।

श्री मूलचन्द डागा : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया है । संशोधन करने का काम कब शुरू किया है व कितने साल आपको लग गए हैं और आपने कौन सी तारीख को ला-मिनिस्ट्री को भेजा है और उसकी एप्रुवल कब आई और इसको आप से कब सदन में पेश करने के लिये कहा गया ?

श्री मल्लिकार्जुन : अध्यक्ष जी, हम सदन में पहले ही बता चुके हैं कि ड्राफ्ट बिल तैयारी में है और जैसे ही वह तैयार होगा....

श्री मूलचन्द डागा : मैं पूछना चाहता हूँ कि कब शुरू किया है ?

श्री मल्लिकार्जुन : शुरू और अन्त करने की बात अलग है, एक्ट में परिवर्तन होना चाहिए, वह हो जाएगा ।... (अवधान)...

श्री रामबिलास पासवान : अध्यक्ष जी, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि रेलवे अधिनियम, 1890 में आमूलबूल संशोधन की आवश्यकता है और अनुकूल बनाने के उद्देश्य से संशोधन किया जा रहा है । मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि कौन-कौन से मुद्दे हैं बुनियादी परिवर्तन करने के लिए जिन में आप परिवर्तन करने जा रहे हैं ?

THE MINISTER OF RAILWAYS
(श्री केदार पांडे : अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले ही सवाल में कह दिया था कि इन्डियन रेलवे एक्ट, 1890 में संशोधन की जरूरत है और इसमें बहुत सी कार्यवाही हुई है । मैं उम्मीद करता हूँ कि यह अगले बजट सेशन में आ सकता है । उसमें हमारे उद्देश्य हैं :

- (i) to make the provisions more rational and intelligible;
- (ii) to make changes—which have become necessary in the light of changed situations and policies;
- (iii) to remove the difficulties caused by judicial decisions;
- (iv) to delete such portions as have become obsolete or redundant;
- (v) to simplify and speed up procedures wherever possible; and
- (vi) to bring about wherever necessary, substantial changes as would facilitate a more efficient working of the Railways.

इस तरह से बहुत से उद्देश्य हैं । मैंने पहले ही कहा था कि जब भारत गुलाम था, उस वक्त का यह एक्ट है, इतने साल इस को हो गये हैं । हम यह जरूर महसूस करते हैं कि इस में परिवर्तन और सुधार की जरूरत है और श्रीप्र करेंगे ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTION.

Provision of Wagons to South Eastern Railways

*245 SHRI HARIHAR SOREN:
Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his Ministry has a proposal to augment its wagons fleet by an additional 11,500 by March, 1981;

(b) whether there is any proposal to provide some more wagons to the South Eastern Railway, particularly to Banspani Railway siding to expedite the movement of iron ore, manganese and other

minerals which have accumulated in a huge quantity there; and

(c) by which month or date such proposal is likely to be implemented ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI KEDAR PANDAY): (a) The Final Budget for 1980-81 provides for acquisition of 13,000 wagons in terms of four-wheelers during the year.

(b) and (c). At present the target holding of wagons allocated to the S.E. Railway is 92937 wagons in terms of four-wheelers in order to enable the Railway to meet its freight commitments including movement of iron ore, manganese ore and other minerals from Banspani. With the increase in the wagons fleet, wagons will also be allotted to the S.E. Railway taking into account its requirements and that of the other Zonal Railways. Loading of iron ore from Banspani in the current financial year has been satisfactory. On an average loading of iron ore has been 794 wagons per day against indents placed for 629 wagons per day. As regards Manganese ore, 5200 wagons (4-wheelers) were loaded from April to October, 1980 and at the end of October, 1980 only 400 indents were outstanding.

भारतीय मालवाहक जहाज वृन्दा-3

* 247. श्री तारिक अन्वर : क्या नौबहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 सितम्बर, 1980 के नवभारत टाइम्स में प्रकाशित इस समाचार की ओर दिलाया गया है कि भारतीय मालवाहक जहाज 'वृन्दा-3' अब कबाड़ बन कर रह गया है और इसके अधिकतर पुर्जे चुरा लिए गए हैं; और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और इस जहाज की कीमत क्या थी ?

नौबहन और परिवहन मंत्री (श्री वीरेन्द्र वाटिल) : (क) और (ख) . सरकार

को इस समाचार के प्रकाशित होने की जानकारी है ।

वृन्दा-3 मलाबार पहाड़ियों से दूर पश्चिमी तट पर 23 जुलाई, 1978 को जमीन में लग गया था । इसके मालिक बम्बई मैरीन इंजीनियरिंग वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड ने इसे समुद्र में ही छोड़ दिया है । खुले में पड़े रहने और इस्तेमाल न किए जाने के कारण इसमें जंग लग गई और यह बेकार हो गया है । पता लगा है कि इसके मालिक और पुलिस ने इस पर चौकसी रखी है । यह भी पता चला है कि इसके मालिकों ने पुलिस में इसके किसी भी भाग के चोरी हो जाने की कोई शिकायत नहीं दर्ज की है । इस जहाज की लागत 25.46 लाख रुपये बताई जाती हैं ।

Rehabilitation of Indians Repatriated from Iran and Iraq

*248. SHRI A. NEELALOHITHASAN Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) how many Indians had to return from the Middle East due to the Iran-Iraq war till the 31st October, 1980;

(b) whether Government are having any plan to rehabilitate them in India; and

(c) if so, whether Government propose to chalk out a plan for the same?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Approximately 10,000 Indians are reported to have returned to India till 31st October, 1980.

(b) and (c). The bulk of these people are personnel either of various Indian enterprises belonging both to the private and public sectors or to foreign construction companies. Most of them expect that they would be returning to their jobs after hostilities are terminated.